<u>बीएचईएल ने ओडिशा में 1320 मेगावाट की सुपरक्रिटिकल पॉवर परियोजना शुरू की</u>

नई दिल्ली, 11 सितंबर: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने 1320 मेगावाट के आईबी थर्मल पावर स्टेशन (2x660 MW) को सफलतापूर्वक कमीशन किया।

ओडिशा के झारसुगुडा जिले में स्थित, यह परियोजना ओडिशा पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओपीजीसी) के स्वामित्व वाली, ओडिशा सरकार और एईएस जो अमेरिका की एक ऊर्जा कंपनी है, की संयुक्त उद्यम कंपनी है। इससे पहले, बीएचईएल ने आईबी थर्मल पावर स्टेशन में 210 मेगावाट की दो इकाइयाँ स्थापित की थीं, जो 20 वर्षों से अधिक समय से काम कर रही हैं।

ओडिशा राज्य के विकास में बीएचईएल एक प्रतिबद्ध भागीदार रहा है, बीएचईएल द्वारा आपूरित सेट ओपीजीसी द्वारा स्थापित कोयला आधारित विद्युत स्टेशनों में 100% योगदान करते हैं। परियोजना से उत्पन्न विद्युत का एक बड़ा हिस्सा ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ ओडिशा (जीआरआईडीसीओ) को प्रदान किया जाएगा।

प्रोजेक्ट में बीएचईएल के स्कोप में डिजाइन, इंजीनियरिग, विनिर्माण, स्टीम टर्बाइन, जेनरेटर, बॉयलर, संबद्ध सहायक और विद्युत के अलावा अत्याधुनिक नियंत्रण और इंस्ट्रूमेंटेशन (सी एंड आई) और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर (ईपीएस) की आपूर्ति और कमीशनिग शामिल हैं।

परियोजना के लिए प्रमुख उपकरण बीएचईएल की हरिद्वार, त्रिची, हैदराबाद, रानीपेट, भोपाल और बेंगलुरु स्थित इकाईयों में निर्मित किए गए हैं, जबकि संयंत्र का निर्माण कंपनी के पावर सेक्टर - पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता द्वारा किया गया था।

बीएचईएल भारत का सबसे बड़ा विद्युत उत्पादन उपकरणों का निर्माता है, जिसके 1,85,000 मेगावाट से अधिक विद्युत संयंत्र उपकरण पूरे विश्व में स्थापित हैं। कंपनी ने घरेलू और विदेशी बाजारों में विभिन्न ग्राहकों के साथ 58 सेट सुपरक्रिटिकल बॉयलरों और 51 सेट सुपर क्रिटिकल टरबाइन जनरेटरों का अनुबंध किया है।